MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL
मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

MASTER OF ARTS (MA) HINDI LITERATURE PREVIOUS YEAR (SESSION 2022-23)

विषयः प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- FIRST **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोट— प्रश्न क्रमांक 01से 05 तक के प्रश्न लघु उत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का है।

प्रश्न.1 चंद बरदायी के बारे में आप क्या जानते हैं?

प्रश्न.2 कबीर के कृतित्व का वर्णन कीजिए।

प्रश्न.3 सूरदास के "वात्सल्य वर्णन" को समझाइये।

प्रश्न.4 तुलसीदास की "विनय भावना" को दर्शाइये।

प्रश्न.5 रानी पद्मावती के सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

नोट— प्रश्न क्रमांक 06से 10 तक के प्रश्न दीर्घ उत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का है।

प्रश्न.6 कबीर ज्ञानमार्ग के उत्कृष्ट कवि है।। समझाइये।

प्रश्न.7 पद्मावत का संक्षिप्त वर्णन करते हुए जायसी के काव्य सौष्ठव पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न.8 भ्रमरगीत निर्गुण की सगुण पर जीत है। कैसे?

प्रश्न.9 "घनानंद का मूलतः" किस प्रकार का है? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न.10 भक्तिकाल की विशेषताएँ बतलाइये।

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL
मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

MASTER OF ARTS (MA) HINDI LITERATURE PREVIOUS YEAR (SESSION 2022-23)

विषयः प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- SECOND **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः–

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोट– प्रश्न क्रमांक 01से 05 तक के प्रश्न लघु उत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का है।

प्रश्न.1 पृथ्वीराज रासो के बारे में क्या जानते हैं?

प्रश्न.2 कबीर ने मूर्ति पूजा का विरोध क्यों और किस प्रकार किया?

प्रश्न.3 सूरदास "भक्ति–भावना" पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न.4 तुलसीदास के काव्य में भक्ति के कौन–कौन से रूप प्राप्त होते हैं?

प्रश्न.5 घनानंद की विरह वेदना को चित्रित कीजिए।

नोट– प्रश्न क्रमांक 06 से 10 तक के प्रश्न दीर्घ उत्तरीय प्रश्न है । प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का है।

प्रश्न.6 कबीर द्वारा की गई "गुरू महिमा" को विस्तार से बतलाइये।

प्रश्न.7 सूरदास की "सखा–भाव" की भावना को समझाइये।

प्रश्न.8 जायसी प्रेममार्गी–शाखा के उत्कृष्ट कवि हैं। स्पष्ट कीजिए। नागमति के विरह का वर्णन भी कीजिए।

प्रश्न.9 तुलसीदास के काव्य में भक्ति की अधिकता दिखलाई देती है। स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न.10 घनानंद के "सुजान–प्रेम" को दर्शाइये।

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL
मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

MASTER OF ARTS (MA) HINDI LITERATURE PREVIOUS YEAR (SESSION 2022-23)

विषयः काव्यशास्त्र एवं साहित्य सिद्धांत

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- FIRST **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोट— प्रश्न क्रमांक 01से 05 तक के प्रश्न दीर्घ उत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का है।

प्रश्न.1 काव्य कितने प्रकार के होते हैं? उसके सभी प्रकारों का संक्षेप में परिचय दीजिए।

प्रश्न.2 ध्वनि सिद्धांत की प्रमुख स्थापनायें स्पष्ट करते हुए इसके प्रवर्तक आचार्य का नामोल्लेख कीजिए।

प्रश्न.3 प्लेटो के काव्य सिद्धांतों का सविस्तार विश्लेषण कीजिए।

प्रश्न.4 टी.एस. इलियट के निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत की विवेचना कीजिए।

प्रश्न.5 हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

नोट— प्रश्न क्रमांक 06 से 10 तक के प्रश्न लघु उत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का है।

प्रश्न.6 काव्य हेतुओं का विवेचन कीजिए।

प्रश्न.7 रस से संबंधित साधारणीकरण का परिचय दीजिए।

प्रश्न.8 अस्तित्वाद की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इसकी मान्यताओं को लिखिए।

प्रश्न.9 "विरेचन" का अर्थ समझाइये।

प्रश्न.10 तुलनात्मक आलोचना से आप क्या समझते हैं। स्पष्ट कीजिए।

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL
मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

MASTER OF ARTS (MA) HINDI LITERATURE PREVIOUS YEAR (SESSION 2022-23)

विषयः काव्यशास्त्र एवं साहित्य सिद्धांत

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- SECOND **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोट— प्रश्न क्रमांक 01से 05 तक के प्रश्न दीर्घ उत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का है।

प्रश्न.1 रस निष्पत्ति की समग्र प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न.2 रीति संप्रदाय का सामान्य परिचय देते हुए रीति के विभिन्न भेदों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न.3 अरस्तु के अनुकरण सिद्धांत की विवेचना कीजिए।

प्रश्न.4 लोंजाइनस के उदात्त तत्व की व्याख्या करते हुए उनके काव्य सिद्धांत की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न.5 रूपवादी और समाजशास्त्रीय आलोचना को स्पष्ट कीजिए।

नोट— प्रश्न क्रमांक 06 से 10 तक के प्रश्न लघु उत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का है।

प्रश्न.6 काव्य प्रयोजन क्या है?

प्रश्न.7 वक्रोक्ति के भेदों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न.8 टी.एस.इलियट ने वैयक्तिक प्रज्ञा के संबंध में जो विचार व्यक्त किये हैं उनका परिचय दीजिए।

प्रश्न.9 स्वच्छंदतावाद क्या है? इसकी प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न.10 आलोचना क्या है? आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL
मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

MASTER OF ARTS (MA) HINDI LITERATURE PREVIOUS YEAR (SESSION 2022-23)

विषयः हिन्दी साहित्य का इतिहास

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- FIRST **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोट— प्रश्न क्रमांक 01से 05 तक के प्रश्न दीर्घ उत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का है।

प्रश्न.1 हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न.2 भक्तिकाल को हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग क्यों कहा जाता है। उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न.3 रीतिकाव्य धारा को कितने वर्गो में विभाजित किया गया है, स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न.4 पुनर्जागरण काल की काव्यगत विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न.5 हिंदी उपन्यासों के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

नोट— प्रश्न क्रमांक 06 से 10 तक के प्रश्न लघु उत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का है।

प्रश्न.6 हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की क्या समस्याएँ हैं संक्षेप में विवेचना कीजिए।

प्रश्न.7 संत काव्य की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न.8 हिन्दी रीतिमुक्त काव्यधारा का परिचय देते हुए कुछ प्रमुख कवियों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न.9 आधुनिक काल की सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न.10 छायावाद से क्या आशय है? छायावाद के 04 प्रमुख साहित्यकारों के नाम लिखिए।

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

MASTER OF ARTS (MA) HINDI LITERATURE PREVIOUS YEAR (SESSION 2022-23)

विषयः हिन्दी साहित्य का इतिहास

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- SECOND **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोट— प्रश्न क्रमांक 01से 05 तक के प्रश्न दीर्घ उत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का है।

प्रश्न.1 हिंदी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन का संक्षिप्त परिचय देते हुए काल—विभाजन के औचित्य पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

प्रश्न.2 हिन्दी साहित्य के आदिकाल की परिस्थितियों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

प्रश्न.3 रीतिकाल का सामान्य परिचय देते हुए उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न.4 आधुनिक काल के काल विभाजन पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न.5 भारतेंदु युग की काव्यगत विशेषताएँ लिखिए।

नोट— प्रश्न क्रमांक 06 से 10 तक के प्रश्न लघु उत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का है।

प्रश्न.6 निर्गुण भक्ति काव्यधारा की विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न.7 पृथ्वीराज रासो की प्रमाणिकता पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न.8 रीतिबद्ध काव्य की विशेषताएँ बताइये।

प्रश्न.9 प्रगतिवाद का संक्षिप्त परिचय देते हुए उसकी मुख्य प्रवृत्तियाँ लिखिए।

प्रश्न.10 आधुनिक काल के किन्हीं दो कहानीकारों के नाम लिखिए।

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL
मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

MASTER OF ARTS (MA) HINDI LITERATURE PREVIOUS YEAR (SESSION 2022-23)

विषयः (क) विशेष कवि का अध्ययन ''सूरदास''

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- FIRST **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोट— प्रश्न क्रमांक 01से 05 तक के प्रश्न लघु उत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का है।

प्रश्न.1 सूर के वात्सल्य वर्णन पर विचार व्यक्त कीजिए।

प्रश्न.2 सूर के काव्य में वर्णित श्रृंगार की विवेचना कीजिए।

प्रश्न.3 सूर का "वियोग श्रृंगार" वर्णन में कोई सानी (बराबरी) नहीं कैसे? समझाइये।

प्रश्न.4 "भ्रमर—गीत" शब्द की व्याख्या करते हुए सूर के भ्रमर गीतों के 2 उदाहरण दीजिए।

प्रश्न.5 सूरदास की कृष्ण भक्ति पर अपने विचार दीजिए।

नोट— प्रश्न क्रमांक 06 से 10 तक के प्रश्न दीर्घ उत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का है।

प्रश्न.6 बाल सौंदर्य के वर्णन में जो सफलता सूर को मिली वह किसी अन्य को प्राप्त नहीं हुई। सोदाहरण बतलाईये।

प्रश्न.7 "गीति—काव्य" की विशेषताओं के आधार पर सूर के "गीति—काव्य" की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न.8 भ्रमरगीत के आधार पर सूर के कृष्ण भक्ति विषयक विचारों के समर्थन में कुछ उदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

प्रश्न.9 "सूर की भक्ति भावना" का उपयुक्त उदाहरण देते हुए निरूपण कीजिए।

प्रश्न.10 सूर की काव्य—कला पर एक लेख लिखिए।

अथवा

खेलन मैं को काको गुसैंया ।
हरि हारे जीते सुदामा, बरबस ही कत करत रिसैंयाँ।
जाति पांति हमसे बड़ नाहिं, ना हीं बसत तुम्हारी छैंया।
अति अधिकार जनावत यातें, जातें अधिक तुम्हारी गैंया।
रूठहि करे तासौं को खेले, रहे बैठि जँह तँह ग्वैंया।
सूरदास प्रभु खेल्यौंइ चाहत, दाऊ दियो करि नंद—दुहैंया।

उपरोक्त पद की व्याख्या कीजिए।

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL
मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल
MASTER OF ARTS (MA) HINDI LITERATURE PREVIOUS YEAR (SESSION 2022-23)
विषयः (क) विशेष कवि का अध्ययन ''सूरदास''

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- SECOND **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोट— प्रश्न क्रमांक 01से 05 तक के प्रश्न लघु उत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का है।

प्रश्न.1 "बाल स्वभाव के वर्णन में जो सफलता सूर को प्राप्त हुई वह किसी अन्य को नहीं।" इस संदर्भ में अपने विचार दीजिए।

प्रश्न.2 भ्रमर—गीत पर लेख लिखिए।

प्रश्न.3 सूर की भक्ति किस भाव की थी?

प्रश्न.4 सूर के काव्य में वात्सल्य के कुछ उदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

प्रश्न.5 सूर के "भाव—पक्ष" को निरूपित कीजिए।

नोट— प्रश्न क्रमांक 06 से 10 तक के प्रश्न दीर्घ उत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का है।

प्रश्न.6 **व्याख्या कीजिएः—**

मैंया बहुत बुरो बलदाऊ।
कहन लग्यौ बन बडौ तमासौ, सब मौड़ा मिली आऊ।
मोहूँ कौं चुचकारि गयौ लै, जहाँ सघन बन झाऊ।
भागि चलौ कहि गयौ उहाँ तैं, काटि खाइ रे हाऊ।
हौं डरपौं कापौं अरू रोवौं, कोउ नहिं धीर धराऊ।
धरसि गयौं नहिं भागि सकौं, वै भागे जात अगाऊ।
मोसौं कहत मोल को लीन्हों, आपु कहावत साऊ।
सूरदास बल बडौ चबाई, तैसेहिं मिले सरवाऊ।

प्रश्न.7 "भ्रमरगीत में सूर के कवि हृदय की नारी का आकुल क्रन्दन अभिव्यंजित हुआ है।" कथन की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न.8 सूर मानव मन की सहज भावनाओं के चितेरे हैं? कैसे?

प्रश्न.9 सूर के काव्य में माधुर्य—भाव की प्रधानता है। बतलाइये।

प्रश्न.10 सूर के काव्य सौंदर्य की परीक्षा कीजिए।

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL
मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

MASTER OF ARTS (MA) HINDI LITERATURE PREVIOUS YEAR (SESSION 2022-23)

विषयः (ख) विशेष कवि का अध्ययन ''सूर्यकांत त्रिपाठी निराला''

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- FIRST **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोट— प्रश्न क्रमांक 01से 05 तक के प्रश्न लघु उत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का है।

प्रश्न.1 सूर्यकांत त्रिपाठी का जीवन—परिचय दीजिए।

प्रश्न.2 छायावाद की विशेषताएँ बतलाइये।

प्रश्न.3 'निराला' जी की प्रमुख रचनाओं के नाम लिखिए।

प्रश्न.4 निराला जी विद्रोही कवि क्यों कहलाते थे?

प्रश्न.5 'कुकुरमुत्ता' कविता का भावार्थ लिखिए।

नोट— प्रश्न क्रमांक 06 से 10 तक के प्रश्न दीर्घ उत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का है।

प्रश्न.6 **व्याख्या कीजिएः—**

मुझ भाग्यहीन की तू सम्बल
युग वर्ष बाद जब हुई विकल
दुःख ही जीवन की कथा रही
क्या कहूँ आज जो नहीं कही
हो इस कर्म पर वज्रपात।

प्रश्न.7 निराला जी के भाव—पक्ष और कला—पक्ष की विवेचना कीजिए।

प्रश्न.8 "राम की शक्तिपूजा" को ध्यान में रखते हुए बतलाइये कि अर्थ गौरव निराला जी की कविता का सर्वोत्तम गुण है।

प्रश्न.9 "निराजा" जी प्रयोगधर्मी कवि थे। इस कथन की समीक्ष्ज्ञा कीजिए।

प्रश्न.10 निराला जी की कविताओं में "प्रकृति—चित्रण" है। दर्शाइये।

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL
मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

MASTER OF ARTS (MA) HINDI LITERATURE PREVIOUS YEAR (SESSION 2022-23)

विषयः (ख) विशेष कवि का अध्ययन ''सूर्यकांत त्रिपाठी निराला''

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- SECOND **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोट— प्रश्न क्रमांक 01से 05 तक के प्रश्न लघु उत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का है।

प्रश्न.1 निराला जी निरन्तर प्रयोग करते रहे। इस कथन की सार्थकता बतलाइये।

प्रश्न.2 निराला जी की छंद—योजना के बारे में आप क्या जानते हैं?

प्रश्न.3 निराला के व्यक्तित्व को चित्रित कीजिए।

प्रश्न.4 ' निराला सौंदर्य प्रेमी कवि थे'। उनकी कविताओं के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न.5 "राम की शक्ति पूजा" निराला जी की अनुपम प्रतिभा को व्यक्त करती है। कैसे?

नोट— प्रश्न क्रमांक 06 से 10 तक के प्रश्न दीर्घ उत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का है।

प्रश्न.6 "निराला" ने अपनी कविताओं में सजीव प्रकृति—चित्रण किया है। सोदाहरण बतलाइये।

प्रश्न.7 "निराला" की कौन सी कविता में पूँजीवाद पर करारा व्यंग्य है। तर्क सहित बतलाइये।

प्रश्न.8 "सरोज—स्मृति" "निराला" ने किसकी याद में लिखी? यह अपने—आप में अद्वितीय रचना है। समझाइये।

प्रश्न.9 "जागो फिर एक बार" कविता के माध्यम से 'निराला' ने भारत के गौरवमयी अतीत को याद करते हुए जागरण का शंखनाद किया। कैसे?

प्रश्न.10 "राम की शक्तिपूजा" 'निराला' की ही नहीं सम्पूर्ण छायावादी काव्य की एक उत्कृष्ट उपलब्धि है। स्पष्ट कीजिए।

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

MASTER OF ARTS (MA) HINDI LITERATURE PREVIOUS YEAR (SESSION 2022-23)

विषयः (ग) विशेष कवि का अध्ययन ''आचार्य विद्या सागर (मूकमाटी)''

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- FIRST **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोट— प्रश्न क्रमांक 01 से 05 तक के प्रश्न लघु उत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का है।

प्रश्न.1 हिन्दी संत काव्य परंपरा के बारे में आप क्या जानते हैं?

प्रश्न.2 आचार्य विद्या सागर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में बतलाइये।

प्रश्न.3 मूकमाटी में निहित संदेश बतलाइये।

प्रश्न.4 मूकमाटी में धर्म का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न.5 मूकमाटी का कोई पद्यांश लिखिए।

नोट— प्रश्न क्रमांक 06 से 10 तक के प्रश्न दीर्घ उत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का है।

प्रश्न.6 संत काव्य परम्परा में लोक मंगल की भावना पर लेख लिखिए।

प्रश्न.7 आचार्य विद्यासागर जी का जीवन परिचय दीजिए।

प्रश्न.8 आचार्य विद्यासागर जी का जीवन दर्शन समझाइये।

प्रश्न.9 मूकमाटी की पात्र—योजना लिखिए। ये पात्र आपको क्यों पसंद है।

प्रश्न.10 मूकमाटी—संचयन से कोई एक पद्यांश लेकर उसकी व्याख्या कीजिए।

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL
मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

MASTER OF ARTS (MA) HINDI LITERATURE PREVIOUS YEAR (SESSION 2022-23)

विषयः (ग) विशेष कवि का अध्ययन ''आचार्य विद्या सागर (मूकमाटी)''

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- SECOND **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोट— प्रश्न क्रमांक 01 से 05 तक के प्रश्न लघु उत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का है।

प्रश्न.1 विद्या—सागर जी आचार्य क्यों कहलाते हैं? अपने तर्क प्रस्तुत कीजिए।

प्रश्न.2 आचार्य विद्या—सागर जी के रचना कर्म के बारे में आप क्या जानते हैं?

प्रश्न.3 "मूकमाटी" आपको क्यों पसंद हैं।

प्रश्न.4 "हिन्दी काव्य परम्परा" को दृष्टिगत रखते हुए किन्हीं एक संत पर संक्षिप्त लेख लिखिए।

प्रश्न.5 "मूकमाटी" के किसी एक पात्र का चरित्र—चित्रण कीजिए।

नोट— प्रश्न क्रमांक 06से 10 तक के प्रश्न दीर्घ उत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का है।

प्रश्न.6 ''लोक मंगल'' की भावना से आचार्य विद्यासागर जी ने "मूकमाटी" की रचना की है। समझाइये।

प्रश्न.7 आचार्य विद्यासागर के व्यक्तित्व को दर्शाइये।

प्रश्न.8 आचार्य विद्या सागर जी ने अपने रचना संसार में किस जीवन दर्शन की बात की है? बतलाइये।

प्रश्न.9 "मूकमाटी" के पात्र क्या अपने चरित्र—चित्रण में खरे उतरते हैं? सोदाहरण समझाइये।

प्रश्न.10 "मूकमाटी" से "लोक मंगल" की कामना वाली कोई छः पंक्तियाँ लिखिए।